दैनिक भास्कर

कैम्पस करेगा पंछियों की मेजबानी

सिटी रिपोर्टर | इंदौर

दाने-पानी की तलाश में भटकने वाले पक्षियों को राहत देने के लिए युवा वर्ग भी आगे आ रहा है। इसमें उनकी मदद कॉलेज के फैकल्टी और स्टाफ मेम्बर्स भी कर रहे हैं। दैनिक भास्कर के आइए बनें पंछियों का सहारा अभियान से आर्ट्स एंड कॉमर्स कॉलेज के यंगस्टर्स भी शुक्रवार को जुड़ गए। कॉलेज कैम्पस में बने गार्डन में स्टूडेंट्स और खासकर गर्ल्स ने सकोरे रखकर पंछियों के लिए दाना-पानी की व्यवस्था का जिम्मा लिया। साथ ही अपने घर की छत पर पक्षियों के लिए दाना-पानी का इंतजाम करने का भी संकल्प लिया।

प्रिंसिपल एस.एल. गर्ग का कहना है सभी ने मिलकर यह पहल की है। स्टूडेंट्स का कहना है हम शहर के हर क्षेत्र में इस अभियान को चलाने का प्रयास करेंगे ताकि भरी गर्मी में पक्षियों को दाने-पानी के लिए तड़पना नहीं पड़े।

गमले में भी लगा सकते हैं पौधे- प्रिंसिपल गर्ग ने कहा यदि पर्याप्त जगह नहीं है तो हाइड्रोकोनिक का इस्तेमाल कर घर में रखे गमलों में भी पौधे लगा सकते हैं।

नईदुनिया Jagran

साउंड प्रूफ स्टूडियो में न्यूज पढ़ेंगे स्टूडेंट्स

इंदौर। गवर्नमेंट आर्ट एंड कॉमर्स कॉलेज (जीएसीसी) के बीजे, एमजे एवं एमए (हिंदी साहित्य) के स्टूडेंट्स जल्द ही लोकल केबल चैनलों पर खबरें सुनाते नजर आएंगे। अपनी तरह की अनूठी पहल के तहत कॉलेज में करीब 10 लाख की लागत से ऑडियो, वीडियो रिकॉर्डिंग स्टूडियो तैयार किया गया है। यहां निर्मित होने वाले प्रोग्राम विभिन्न लोकल चैनलों से टेलीकास्ट किए जाएंगे। न्यूज रीडिंग के साथ-साथ स्टूडेंट्स टॉक शो, इंटरव्यू समेत कई अन्य कार्यक्रमों की एंकरिंग करते हुए भी नजर आएंगे। उनके द्वारा तैयार जिंगल, एडवरटाइजमेंट्स भी प्रसारित किए जाएंगे। अव्वल दर्जे के स्टूडेंट्स लोकल चैनलों पर 'लाइव शो' भी पेश करेंगे।

देश का पहला कॉलेज!

जर्नलिजम डिपार्टमेंट हेड प्रो. राजीव शर्मा ने बताया कॉलेज की हिंदी साहित्य प्रोफेसर डॉ. पुष्पलता जैन मजेजी का पिछले साल निधन हो गया था। उनकी स्मृति में स्टूडियो का नाम 'मजेजी स्टूडियो' रखा गया है। जर्नलिजम का कोर्स कर रहे स्टूडेंट्स इस स्टूडियो में ऑडियो-वीडियो की प्रैक्टिकल ट्रेनिंग लेंगे। प्रो. शर्मा कहते हैं जीएसीसी संभवतः देश का पहला ऐसा कॉलेज होगा जहां ट्रेनिंग ले रहे स्टूडेंट्स द्वारा तैयार खबरें और कार्यक्रम लोकल चैनलों पर टेलीकास्ट होंगे।

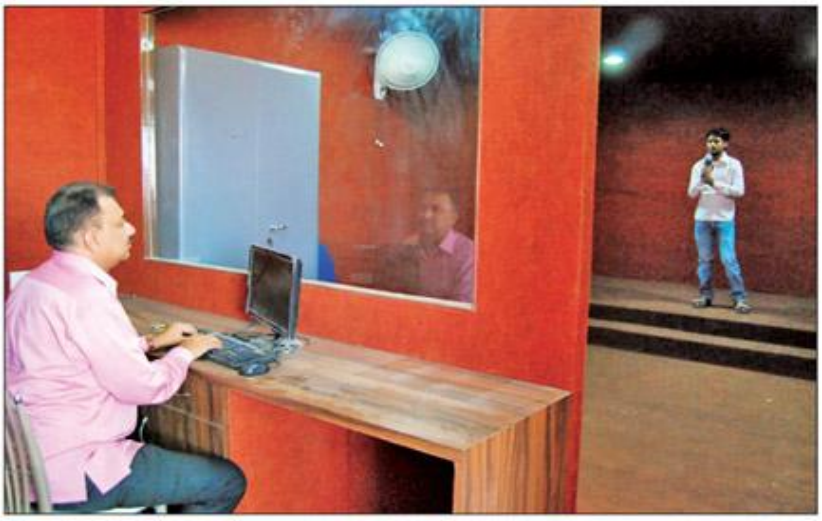

इन खबरों को प्रायोरिटी

वातानुकूलित स्टूडियो पूरी तरह साउंड प्रूफ होगा। जापानी तकनीक पर आधारित अपडेटेड वीडियो मिक्सर और ऑडियो मिक्सर के साथ-साथ कैमरे भी उन्नत टेक्नोलॉजी के होंगे। न्यूज और दूसरे प्रोग्राम्स में कॉलेज और यूनिवर्सिटी की खबरों को प्रायोरिटी दी जाएगी। वीडियो लाइब्रेरी का निर्माण भी प्रस्तावित है।

स्टूडियो को समर्पित

स्व. पुष्पलता जैन के पति राजेंद्र मजेजी ने बताया मैडम की याद में परिवार प्रतिभावान छात्रों को स्कॉलरशिप देना चाहता था। इसी बीच प्रिंसिपल एसएल गर्ग ने उन्हें इस यूनिक प्रोजेक्ट के बारे बताया। परिवार वालों को भी लगा इससे ज्यादा स्टूडेंट्स लाभान्वित हो सकेंगे। इसलिए उन्होंने प्रोजेक्ट को आर्थिक सहयोग प्रदान करने की स्वीकृति दे दी।

कॉलेज के नवनिर्मित स्टूडियो में स्टूडेंट्स ने रिकॉर्डिंग और परफॉर्मेंस शुरू कर दिया है।

प्रैक्टिकल नॉलेज मिल सकेगा

स्टूडियो बन जाने से जर्नलिजम के स्टूडेंट्स को प्रैक्टिकल नॉलेज मिल सकेगा। इसके निर्माण में मजेजी परिवार 8 लाख से अधिक का आर्थिक सहयोग कर चुका है। 42 साल की मेरी नौकरी में मुझे ऐसा पहला परिवार मिला है, जो परिजन की स्मृति में इतनी बड़ी राशि खर्च कर रहा है।

– **डॉ. एसएल गर्ग**, प्रिंसिपल, जीएसीसी